3, 71, 438
प्रसारण संख्या का विश्व कीर्तिमान रचने वाली
भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र

बालसाहित्य के नींव के पत्थर

वीरेन्द्र मिश्र

हिंदी के वरिष्ठ गीतकारों में एक स्मरणीय नाम वीरेन्द्र मिश्र का भी है। एक समय में वीरेन्द्र मिश्र कवि सम्मेलनों के जादुई आवाज के मालिक थे। उनका जन्म मध्यप्रदेश के मुरैना में १ अक्टूबर, १९२७ में हुआ। उन्होंने बच्चों के लिए बेहतरीन रचनाएं लिखी और उनकी रचनाओं के संकलन 'काले मेघा पानी दे' 'अपना देश महान' 'सुनो राम की कथा' पुस्तकों के नाम से प्रकाशित हुए हैं। 'गीतों के झूले' उनकी एक श्रेष्ठ संपादित कृति है। म.प्र. छोड़कर वह मुम्बई चले गए थे। उनका निधन १ जून, १९९९ को हो गया। यहाँ उनके रचना संसार से आपके लिए कुछ कविताएं प्रस्तुत हैं–